“आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है कि आनेवाले समय में कितने लोग विश्वास से भटक जाएँगे और बहकानेवाली आत्माओं तथा दुष्टात्माओं की शिक्षाओं का अनुसरण करेंगे।”
— 1 तीमुथियुस 4:1 (NIV)

प्रस्तावना

शलोम! हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम की स्तुति हो।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जब आत्मिक धोखा चारों ओर फैल चुका है। बाइबल इस सच्चाई के बारे में हमें अज्ञान में नहीं रखती। 1 तीमुथियुस 4:1 में प्रेरित पौलुस स्मरण दिलाते हैं कि पवित्र आत्मा स्पष्ट रूप से—बिना किसी प्रतीकात्मकता या छिपे अर्थ के—कहता है कि अंतिम दिनों में बहुत से लोग मसीही विश्वास से भटक जाएँगे और धोखेबाज़ आत्माओं तथा दुष्ट शिक्षाओं का अनुसरण करेंगे।

यह चेतावनी उन भविष्यवाणियों की तरह नहीं है जिनका आध्यात्मिक

व्याख्या या रहस्योद्घाटन आवश्यक हो। यह सीधी और स्पष्ट है—ताकि हमारी आँखें खुलें और हम समय को पहचानें।

जब पवित्र आत्मा प्रतीकात्मक रूप से बोलता है

शास्त्र में कई बार पवित्र आत्मा इस प्रकार बोलता है कि समझने के लिए आत्मिक विवेक की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए:

“जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है।”
— प्रकाशितवाक्य 2:29 (NIV)

यह वाक्य दर्शाता है कि हर व्यक्ति तुरंत आत्मिक संदेश को नहीं समझ पाता। कुछ सत्य आत्मा द्वारा प्रकट किए जाने पर ही समझ में आते हैं (देखें 1 कुरिन्थियों 2:10-14)।

उदाहरण: प्रकाशितवाक्य 2:26-28

“जो विजयी होगा और अंत तक मेरी इच्छा पर बना रहेगा, उसे मैं जातियों पर अधिकार दूँगा… और मैं उसे भोर का तारा भी

दूँगा।”
— प्रकाशितवाक्य 2:26-28 (NIV)

यहाँ “जातियों पर अधिकार” और “भोर का तारा” जैसे शब्द तुरंत स्पष्ट नहीं होते; इनकी आत्मिक व्याख्या आवश्यक है (जैसे भोर का तारा—प्रकाशितवाक्य 22:16—स्वयं मसीह को संदर्भित कर सकता है)।

लेकिन 1 तीमुथियुस 4:1 में संदेश पूर्णत: स्पष्ट है—अंत समय में बहुत से लोग भटक जाएँगे।

धोखेबाज़ आत्माएँ कैसे बोलती हैं?

पौलुस कहते हैं कि लोग उन्हें सुनेंगे, यानी वे किसी न किसी रूप में बोलती हैं। बाइबल और मसीही शिक्षा के अनुसार धोखेबाज़ आत्माएँ दो तरीकों से काम करती हैं:

1. भीतर से — विचारों और इच्छाओं के द्वारा

यह तब होता है जब किसी को ऐसी प्रेरणा मिले जो परमेश्वर के वचन के विपरीत हो—जैसे झूठ बोलना, चोरी करना, व्यभिचार, मूर्तिपूजा या अनैतिकता।

“हर एक व्यक्ति अपनी ही अभिलाषा द्वारा खींचा और बहकाया
जाता है।”
— याकूब 1:14 (NIV)

आत्मिक युद्ध मन और हृदय में होता है। जो विचार वचन के विरुद्ध हों और मनुष्य उन्हें स्वीकार कर ले—वह धोखेबाज़ आत्माओं का प्रभाव है।

2. बाहर से — झूठे शिक्षकों और प्रचारकों के द्वारा

यीशु ने चेतावनी दी:

“झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो; वे भेड़ के वस्त्रों
में तुम्हारे पास आते हैं, परन्तु भीतर भयंकर भेडिए हैं।”
— मत्ती 7:15 (NIV)

ये लोग धार्मिक दिखते हैं लेकिन ऐसी शिक्षाएँ देते हैं जो मसीह के सुसमाचार के विपरीत हों—पाप, भौतिकवाद, आत्म-गौरव या दुनिया के अनुरूप जीवन को बढ़ावा देते हैं।

यह चेतावनी क्यों महत्वपूर्ण है?

पौलुस इस संदेश की तत्कालता और स्पष्टता पर जोर देते हैं क्योंकि बहुत से लोग धोखे में पड़ेंगे। यीशु ने भी कहा:

“झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे और बड़े चिन्ह और चमत्कार दिखाएँगे ताकि यदि संभव हो तो चुने हुओं
तक को भ्रमित कर दें।”
— मत्ती 24:24 (NIV)

अर्थात् यदि कोई सावधान न रहे तो सच्चे विश्वासियों तक को धोखा लग सकता है।

धोखे से कैसे बचें?

एकमात्र तरीका है—हर शिक्षा को शास्त्र से जाँचें। बिरीयावासी ऐसा ही करते थे:

“वे उत्सुकता से वचन सुनते और प्रतिदिन पवित्रशास्त्रों की

जाँच करते थे कि जो कुछ पौलुस कहता है, वह सत्य है या नहीं।” — प्रेरितों के काम 17:11 (NIV)

अपने अनुभवों या भावनाओं पर भरोसा न करें—क्योंकि शैतान भी प्रकाशदूत का रूप धारण कर सकता है:

“क्योंकि शैतान स्वयं प्रकाशदूत का रूप धारण कर लेता है।”
— 2 कुरिन्थियों 11:14 (NIV)

केवल परमेश्वर का वचन ही अटल है:

“तेरा वचन मेरे पाँव के लिए दीपक और मेरे मार्ग के लिए
ज्योति है।”
— भजन 119:105 (NIV)

विश्वास और विवेक के लिए बुलाहट

प्रिय मित्र, यदि भ्रम, संदेह या सांसारिक बातों के कारण आपने

अपना जीवन यीशु को देने में देर की है, तो संभव है कि धोखेबाज़ आत्माओं ने पहले ही आपको प्रभावित किया हो।

लेकिन आज आपके लिए अवसर है—यीशु आपको बुला रहे हैं।

“हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।”
— मत्ती 11:28 (NIV)

यीशु चाहते हैं कि आप जीवन पाएँ—न कि नाश हों। पवित्र आत्मा की चेतावनी उसी प्रेम का प्रमाण है।

अंतिम प्रेरणा

पवित्र आत्मा अस्पष्ट नहीं है। उसने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी है कि अंतिम समय में बहुत लोग विश्वास छोड़ देंगे और धोखेबाज़ आत्माओं का अनुसरण करेंगे।

“जो अंत तक धीरज धरे रहेगा, वही उद्धार पाएगा।”

— मत्ती 24:13 (NIV)

आइए सचेत रहें। सत्य में दृढ़ रहें। और दूसरों को भी सत्य की ओर ले चलें।

मरनाता — प्रभु आनेवाला है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp